राजस्थान का लोक संगीत
Folk Music of Rajasthan

- गायन Singing
  - लोक गायन शैलियाँ Folk Singing Styles
  - लोकगीत Folk Songs
- वादन Instrumental Playing
  - वाद्ययंत्र Instruments
- नृत्य Dance
- अन्य Other
  - घराणे Gharanas
  - संगीतज्ञ Musicians
  - लोकनाट्य Folk Drama/Folk Theater (Lok Natya)

❖ राजस्थान की लोक गायन शैलियाँ–
Folk Singing Styles of Rajasthan-

- माँड गायिकी / Maand Singing –
  - माँड क्षेत्र (जैसलमेर)
    Maand region (Jaisalmer)
  - शास्त्रीय गायन की एक लोक शैली
    A folk style of classical singing
  - राजस्थान की एक श्रृंगार रसात्मक राग (प्रेम, विरह, आकर्षण)
    A romantic Raga of Rajasthan (Love, Separation, Attraction)
  - प्रकार – जैसलमेरी, बीकानेरी, जोधपुरी, जयपुरी
    Types - Jaisalmeri, Bikaneri, Jodhpuri, Jaipuri
  - प्रसिद्ध गायक / Famous Singers –
    - **गवरी देवी – बीकानेर (1920–1988)**
      Gavari Devi - Bikaner (1920-1988)
      - मास्को में केसरिया बालम गीत गाया।
        Sang Kesariya Balam song in Moscow
      - राजस्थान रत्न से सम्मानित (मरणोपरान्त) 2013
        Awarded with Rajasthan Ratna (posthumously) 2013
      - राजा पदक से सम्मानित (चेन्नई)
        Awarded with Raja Medal (Chennai)
      - जोधपुर महाराजा उम्मेदसिंह के दरबार में गायिकी की थी।
        Sang in the court of Jodhpur Maharaja Ummed Singh.
      - मरु कोकिला / Maru Kokila

    - **हाजन अल्लाह जिलाइ बाई (बीकानेर) – 1902–1992**
      Hajan Allah Jilai Bai (Bikaner) - 1902-1992
      - इनकी स्मृति में बीकानेर में अखिल भारतीय माँड गायन समारोह होता है।
        In her memory, All India Maand Gayan Samaroh is held in Bikaner.
      - संगीत गुरु – हुसैन बख्श
        Music Guru - Hussain Baksh
      - महाराजा गंगासिंह के दरबार में गायिकी की थी।
        She sang in the court of Maharaja Ganga Singh.
      - लंदन में केसरिया बालम गीत गाया।
        Sang Kesariya Balam song in London.
      - 1982– पद्मश्री मिला
        1982- Padma Shri
      - 2003 – डाक टिकट जारी
        2003 - Postage stamp issued
      - 1988 – संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार

1988 - Sangeet Natak Academy Award

- राजस्थान रत्न से सम्मानित (मरणोपरान्त) 2012
  Honoured with Rajasthan Ratna (posthumously) 2012
- राजस्थान की माँड कोकिला
  Maand Kokila of Rajasthan

- **गवरी देवी राव (पाली) – माँड मल्लिका**
  Gavari Devi Rao (Pali) - Maand Mallika
- **माँगी बाई (उदयपुर)** – लोक सुरों की शहनाई
  Mangi Bai (Udaipur) - Shehnai of folk tunes
- **बन्नो बेगम (जयपुर)** – दरबारी परम्परा की माँड गायन शैली को देश–विदेश में ख्याति दिलायी।
  Banno Begum (Jaipur) - brought fame to the Maand singing style of court tradition in the country and abroad.
- **जमीला बानो (जोधपुर) / Jameela Bano (Jodhpur)**
- **बातूल बेगम / Batool Begum**
  - निवासी– जयपुर / Resident - Jaipur
  - मूल रूप से नागौर से / Originally from Nagaur
  - ढोल, ढोलक व तबले का भी अच्छा वादन करती है।
    She Plays instruments such as Dhol, Dholak and Tabla.
  - 2021 – नारी शक्ति पुरस्कार / Nari Shakti Puraskar
  - 2025 – पद्म श्री / Padma Shri
  - फ्रांस में ''केसरिया बालम'' गीत गाया।
    Sang Kesariya Balam song in France.
- **अली मोहम्मद–गनी मोहम्मद / Ali Mohd.-Gani Mohd.**
  - जन्म – तेजरासर(बीकानेर) / Born - Tejarasar (Bikaner)
  - 2024 – पद्म श्री / Padma Shri

➢ मांगणियार गायिकी / Manganiyar Singing –

- बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर (पश्चिमी मरूस्थलीय सीमावर्ती क्षेत्रों में लोकप्रिय)
  Barmer, Jaisalmer, Jodhpur (popular in the western desert border areas)
- इसमें 6 राग व 36 रागनियाँ होती है।
  It has 6 ragas and 36 raginis.
- प्रमुख वाद्य – कमायचा और खड़ताल
  Main instruments - Kamaicha and Khartal

↓	↓
प्रसिद्ध वादक	प्रसिद्ध वादक
Famous Player	Famous Player
↓	↓
साकर खाँ	सद्दीक खाँ (खड़ताल का जादूगर)
Sakar Khan	Siddiq Khan (Magician of Khartal)

(2012 पदमश्री)
(2012 Padma Shri)

- प्रसिद्ध मांगणियार गायक – साफर खाँ मांगणियार, गफूर खाँ, गमड़ा खाँ, रूक्मा देवी, अकला देवी, समन्दर खाँ, रमजान खाँ, मामे खाँ, अनवर खाँ, घेवर खाँ, गाजी खाँ
  Famous Manganiyar Singers - Safar Khan Manganiyar, Gafoor Khan, Gamda Khan, Rukma Devi, Akala Devi, Samandar Khan, Ramjan Khan, Mame Khan, Anwar Khan, Ghewar Khan, Gazi Khan.

नोट :– 13 सितम्बर 2002 को जयपुर में सद्दीक खाँ मांगणियार लोक कला एवं अनुसंधान परिषद् की स्थापना की गई। (लोकरंग)

Note:- On 13 September 2002, Siddiq Khan Manganiyar Folk Art and Research Council was established in Jaipur. (Lok Rang)

➢ लंगा गायिकी / Langa Singing –

- बीकानेर, बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर
  Bikaner, Barmer, Jaisalmer, Jodhpur
- प्रमुख वाद्य – कमायचा और सारंगी
  Main instruments - Kamaicha and Sarangi
- राजपूत व चारण इनके यजमान होते हैं।
  Rajputs and Charans are their patrons.
- प्रसिद्ध लंगा गायक – फूसे खाँ लंगा, मेहर दीन लंगा, अल्लादीन लंगा, करीम खाँ लंगा
  Famous Langa Singers - Phuse Khan Langa, Mehar Din Langa, Alladin Langa, Karim Khan Langa
- प्रसिद्ध गीत – नीम्बूड़ा (प्रसूता स्त्री गाती है)
  Famous song - Nimbuda (sung by a pregnant woman)

➢ तालबंदी गायिकी / Talabandi Singing –

- पूर्वी राजस्थान – भरतपुर, धौलपुर, करौली, सवाई–माधोपुर
  Eastern Rajasthan - Bharatpur, Dholpur, Karauli, Sawai-Madhopur
- ब्रज प्रदेश के साधु सन्तों द्वारा विकसित
  Developed by the saints of Braj region

➢ हवेली संगीत / Haveli Music –

- नाथद्वारा, कांकरोली, जयपुर, कोटा, भरतपुर
  Nathdwara, Kankroli, Jaipur, Kota, Bharatpur
- मध्यकाल में मुस्लिम शासकों ने हिन्दु मंदिर तुड़वाये
  In the medieval period, Muslim rulers demolished Hindu temples
- पुजारियों ने डरकर मंदिर हवेलियों व घरों में स्थापित किए।
  Out of fear, the priests established temples in mansions (Haveliyan) and houses
- यहाँ विकसित संगीत धारा हवेली संगीत कहलाई
  The musical style developed here is called Haveli Music.
- इसमे अष्टछाप संगीत परम्परा की झलक दिखती है।
  It shows the glimpse of Ashtachhaap musical tradition.

➢ राजस्थान के लोक गीत / Folk songs of Rajasthan –

- मूमल – जैसलमेर में गाया जाने वाला श्रृंगारिक लोकगीत (प्रसिद्ध – दापू खाँ)
  Moomal - Romantic folk song sung in Jaisalmer (famous - Dapu Khan)
  - इसमें नख से शिख तक के श्रृंगार का वर्णन है।
    it describes the makeup from toe to head.
- ढोला मारू – सिरोही
  Dhola Maru - Sirohi
- गोरबंद – शेखावाटी व मरुस्थलीय क्षेत्र (ऊँट के गले का आभूषण)
  Gorband - Shekhawati and desert region (neck ornament of camel)
- ओळयूँ – किसी की याद में (बेटी की विदाई पर)
  Olyoon - In memory of someone (on daughter's farewell)
- काजळियों – होली पर श्रृंगारिक गीत (चंग के साथ)
  Kajliyon - Romantic song on Holi (with Chang)
- कुरजाँ / Kurjaan–
  - विरहनी द्वारा अपने प्रियतम को संदेश भिजवाने हेतु गाया जाने वाला विरह लोकगीत
    Separation folk (Virah) song sung by a separated woman to send a message to her beloved
  - यह लोकगीत वर्षा ऋतु में माँड राग में गाया जाता है।
    This folk song is sung in Maand Raga during rainy season.
  - मरू प्रदेश (जोधपुर)
    Desert region/Maru Pradesh (Jodhpur)
- घूमर – घूमर नृत्य के साथ (विशेष – गणगौर)
  Ghoomar - with Ghoomar dance (special - Gangaur)
- पणिहारी – पानी भरते समय (इसमे स्त्री का पतिव्रत धर्म पर अटल रहना बताया गया है)
  Panihari - while filling water (in this, the woman's steadfastness to her husband's religion is described)
- कांगसियो – कंगे पर आधारित
  Kangsiyo - based on Kanga(Comb)
- पावणा – दामाद के ससुराल आने पर स्त्रियों द्वारा गाये जाने वाले लोकगीत
  Pavana - folk song sung by women when their son-in-law comes to his in-laws' house
- कामण – वर को जादू–टोने से बचाने के लिए गाये जाने वाले लोकगीत
  Kaaman - folk song sung to protect the groom from black magic
- हिचकी– अलवर–मेवात का प्रसिद्ध लोकगीत
  Hichki - famous folk song of Alwar-Mewat
- पपैयो – दाम्पत्य प्रेम के आदर्श का लोकगीत
  Papaiyo - folk song of the ideal of marital love
- झोरावा – जैसलमेर जिले में पति के परदेस जाने पर उसके वियोग में गाया जाने वाला लोकगीत
  Jhorava - folk song sung in Jaisalmer district in the grief of the husband going abroad
- सूवटिया – भीलनी स्त्री द्वारा परदेस गये पति को इस लोकगीत के द्वारा संदेश भेजा जाता है।

Suwatiya - a message is sent by a Bhilni woman to her husband who has gone abroad through this folk song.

- दुपट्टा – शादी के अवसर पर दुल्हे की सालियों द्वारा गाया जाने वाला गीत।
  Dupatta - song sung by the sisters-in-law of the groom on the occasion of marriage.
- हमसीढ़ो –– उत्तरी मेवाड़ के भीलों का प्रसिद्ध लोकगीत (स्त्री–पुरूष साथ में गाते हैं)
  Hamsidho - Famous folk song of Bhils of northern Mewar (men and women sing together)
- पीपळी – शेखावाटी, बीकानेर तथा मारवाड़ के कुछ भागों में स्त्रियों द्वारा वर्षा ऋतु में गाया जाने वाला विरह गीत।
  Peepli - Separation song sung by women in rainy season in Shekhawati, Bikaner and some parts of Marwar.
- हरजस – राजस्थानी महिलाओं द्वारा गाया जाने वाला सगुण भक्ति गीत।
  Harjas - Sagun Bhakti song sung by Rajasthani women.
- जलो–जलाल– वधू पक्ष की महिलाओं द्वारा जब वर का डेरा(बारात) देखने जाती है। तब यह गीत गाया जाता है।
  Jalo-Jalal - This song is sung when women of the bride's side go to see the groom's camp (baraat).
- रसिया – ब्रज, भरतपुर, धौलपुर
  Rasiya - Braj, Bharatpur, Dholpur
- लावणी – श्रृंगारिक व भक्ति गीत
  Lavani - Romantic and devotional song
- सीठणे– गाली गीत जो विवाह सामारोह में खुशी व आनंद हेतु गाये जाते हैं।
  Sithane - Abuse song which is sung for happiness and joy in marriage ceremony.
- सुपणा – विरहणी के स्वप्न से सम्बन्धित गीत
  Supna - Song related to the dream of a separated woman
- लांगुरिया – करौली (कैला देवी के भक्तों द्वारा)
  Languria - Karauli (by devotees of Kaila Devi)
- बीछूड़ो– हाड़ौती क्षेत्र का गीत (बिच्छु के डंक से मरणासन्न पत्नी अपने पति को दूसरे विवाह का संदेश देती है।
  Bichhudo - Song of Hadauti region (Wife dying from scorpion sting gives message of second marriage to her husband.
- घुड़ला – मारवाड़ क्षेत्र में घुड़ला त्योहार पर गाया जाने वाला गीत
  Ghudla - Song sung during Ghudla festival in Marwar region
- पंछीड़ा – हाड़ौती व ढूँढाड़ क्षेत्र में मेलों के अवसर पर गाया जाता है। (अलगोजे, ढोलक व मंजीरे के साथ)
  Panchhida - Sung on the occasion of fairs in Hadauti and Dhundhar region. (With algoja, dholak and manjira)
- कलाळी / Kalaali –
  - वीर रस प्रधान गीत
    A heroic song
  - इसमें सवाल–जवाब होते हैं।
    It has questions and answers.

- कलाळ लोग शराब का काम करते हैं
  The Kalaal people work in liquor business
- एक ''छैल'' अपने साथ चलने के लिए ''कलाळी'' से मनुहार करता है।
  a "chhail" requests a "Kalaali" to come with him.

- केसरिया बालम / Kesariya Balam–
  - रजवाड़ी गीत
    a royal song
  - माँड राग में गाया जाता है।
    it is sung in Maand raga.
  - पत्नी अपने पति की प्रतिक्षा में गाती है।
    he wife sings while waiting for her husband
- मोरिया – वो बालिका गाती है जिसका संबंध तो तय हो चुका है लेकिन विवाह में देरी हो रही हो।
  Moriya - Sung by the girl whose marriage has been fixed but the marriage is getting delayed.
- जीरो – इस गीत में ग्राम वधु अपने पति से जीरा नहीं बोने की विनती करती है।
  Jeero - In this song, the village bride requests her husband not to sow cumin.
- चिरमी – चिरमी पौधे को संबोधित करके बाल ग्राम वधु अपने भाई व पिता की प्रतीक्षा करती है
  Chirmi - Addressing the Chirmi plant, the child village bride waits for her brother and father.
- हालरिया – जैसलमेर क्षेत्र में बच्चे के जन्म पर गायी जाने वाली लोक गीतों की श्रृंखला
- Halaria - A series of folk songs sung in the Jaisalmer region on the birth of a child.
  - दाई, हरलोगोरा, धतूरी, खांखलो, खटोलड़ी
    Dai, Harlogora, Dhaturi, Khankhlo, Khatoldi.
- जच्चा/होलर – पुत्र जन्मोत्सव पर गाये जाने वाले लोकगीत
  Jacha/Holar - Folk songs sung on the occasion of the birth of a son.
- काजळियो – वर की आँखों में भोजाई द्वारा काजल डालने की रस्म के समय महिलाओं द्वारा गाया जाने वाला लोकगीत।
  Kajalio - Folk song sung by women during the ritual of Bhojai applying kajal in the eyes of the groom.
- घोड़ी – विवाह में घुड़चढ़ी रस्म के समय
  Ghodi - during the Ghodchadhi ritual in marriage
- कूकड़ी – महिलाओं द्वारा रातीजोगे की समाप्ति पर
  Kukdi - by women at the end of the Raatijoge
- मायरो (भात) – मामा द्वारा मायरे भरते समय महिलाओं द्वारा
  Mayro (Bhat) - by women when maternal uncle pays the dowry(Mayra)
- बधावा – शुभ अवसरों पर
  Badhawa - on auspicious occasions
- पटेल्या – पर्वतीय क्षेत्र (आदिवासी)
  Patelya - hilly area (tribal)
- बिणजारा – मरूप्रदेश में (कतारिये ऊँट पर बैठकर गाते हैं)
  Binjara - in the desert region (Katarias sing while sitting on camels)
- हिण्डो या हिण्डोल्या – श्रावण में झूला झूलते समय महिलाओं द्वारा

Hindo or Hindolya - by women while swinging in the month of Shravan

- केसरियो हजारी गुल रो फूल – विवाह पर गाया जाने वाला एक लोकगीत
  Kesario Hazari Gul Ro Phool - a folk song sung on marriage

राजस्थान के वाद्ययंत्र / Musical Instruments of Rajasthan

सुषिर / Wind/Sushir	अवनद्ध / Awnadh/Percussion	तत् / Tat/Stringed	घन / Ghan
वे वाद्ययंत्र जो फूँक से बजते हों। The musical instruments that are played by blowing.	वे वाद्ययंत्र जो चमड़े से मढ़े हों। The musical instruments that are covered with leather.	वे वाद्ययंत्र जो तारों से स्वर या ध्वनि उत्पन्न करने वाले हो। The musical instruments that produce notes or sound with strings.	वे वाद्ययंत्र जो धातु से बने होते हैं तथा चोट या आघात से स्वर या ध्वनि उत्पन्न करने वाले हो। Those musical instruments which are made of metal and produce tone or sound by striking or hitting it.

सुषिर् वाद्य – जो फूंक से बजते है –
Wind/sushir instruments - which are played by blowing -

बांसूरी (बंसी), अलगोजा, पुँगी, सहनाई, सतारा, मशक, नड़, मोरचंग, सुरनई, तुरड़ी,
Flute (Bansi), Algoja, Pungi, Shehnai, Satara, Mashk, Nad, Morchang, Surnai, Turdi,
मुरला, मुरली, बांकिया, तरपी, कानी, करणा, सींगा, सींगी, भूंगल, रणभेरी, शंख, बरगू,
Murla, Murali, Bankiya, Tarpi, Kani, Karana, Singa, Singi, Bhungal, Ranbheri, Shankh, Bargu,
नागफणी, पेली, टोटो, हरनाई
Nagphani, Peli, Toto, Harnai

अवनद्ध वाद्य (ताल) / Avanadh/Percussion instruments (Taal)

1. जिनके एक ही ओर चमड़ा मढा हो–
   Those which have leather on one side only
   खंजरी, चंग, डफ, धौंसा, तासा, कुंडी, गड़गड़ाटी
   Khanjari, Chang, Daf, Dhaunsa, Tasa, Kundi, Gadgadati

2. जिनका घेरा लकड़ी या धातु का हो तथा चमड़ा दोनों ओर मढ़ा हो –
   Those which Ghera is made of wood or metal and leather is covered on both sides -
   मांदल, ढोल, डमरू, ढोलक, ढाक, कमर, मृदंग, पखावज, डैरू
   Mandal, Dhol, Damru, Dholak, Dhak, Kamar, Mridang, Pakhavaj, Dairu

3. जिनका ऊपरी भाग खाल से ढका हो तथा नीचे का भाग काटोरीनुमा बंद हो –
Those which upper part is covered with leather and the lower part is closed like a bowl -
नोबत, नगाड़ा, माठ, दमामा (टामरू), माटा
Nobat, Nagada, Maath, Damma (Tamru), Mata

❖ **तत्त वाद्य** – तारों द्वारा स्वर/ध्वनी उत्पन्न करने वाले वाद्य इनमें से जिन्हें गज की सहायता से बजाया जाता है–वितत्त वाद्य (इसराज, सारंगी, आदि)

Tat/ Stringed Vadya - instruments that produce sound/tone with strings, out of these those which are played with the help of bow - Vitat Vadya (Israj, Sarangi, etc.)

प्रमुख/Main -

- जन्तर, इकतारा, दोतारा
  Jantar, Ektara, Dotara,
- सारंगी, चिंकारा, रावणहत्था,
  Sarangi, Chinkara, Ravanhattha,
- भपंग, अपंग, कमठ, भीलो की कौड़ी,
  Bhapang, Apang, Kamth, Bheel's Cowri,
- पावरा, कमायचा, दुकाका,
  Pawara, Kamaicha, Dukaka,
- केनरा, बोली, सुरमण्डल,
  Kenara, Boli, Surmandal,
- चौतारा, सुरिन्दा, रबाज, रबाब,
  Chautara, Surinda, Rabaj, Rabab,
- तन्दुरा, निशान, गूजरी
  Tandoora, Nishan, Gujari

❖ **घन वाद्य** – वे वाद्ययंत्र जो धातु से बने होते हैं तथा चोट या आघात से स्वर या ध्वनि उत्पन्न करने वाले हो।

Ghan Vadya - Those musical instruments which are made of metal and produce tone or sound by striking or hitting it.

मंजीरा, झाँझ, थाली,
Manjira, Jhanjh, Thali,
झालर, घंटा, टोकरिया,
Jhalar, Ghanta, Tokariya,
चिमटा, ताल, घुरालिया,
Chimta, Taal, Ghuralia,
कागरच्छा, तासली, चींपिया, टाली
Kagarchha, Tasli, Chimpiya, Tali

रमझौल, श्रीमण्डल, करताल, खड़ताल,
Ramjhoul, Shrimandal, Kartal, Khartal,
लेजिम (गरासिया) डांडया, हांकल,
Lezim (Garasia) Dandya, Hankal,
भरनी, घुंघरू, घड़ा,
Bharani, Ghungroo, Ghara,

❖ विविध / Miscellaneous –

➢ मांदल / Mandal

- मृदंग की आकृति का वाद्ययंत्र
  An instrument in the shape of a Mridang
- इसे शिव–पार्वती का वाद्य मानते हैं।
  It is considered to be the instrument of Shiva-Parvati.
- भील लोग गवरी नृत्य के साथ तथा शादियों में व ग्राम्य देवालयों में इसे बजाते हैं।
  Bhil people play it during Gavari dance and in weddings and village temples.
- इसके साथ थाली भी बजायी जाती है।
  Thali is also played with it.
- इस पर हिरण व बकरे की खाल मढ़ी जाती है।
  Deer and goat leather is covered on it.

➢ पखावज / Pakhavaj –

- मृदंग की आकृति का वाद्ययंत्र
  An instrument in the shape of a Mridang
- रावळ व राविया जाति के लोग नृत्य में इसका प्रयोग करते हैं।
  Raval and Ravia caste people use it in dance.
- प्रसिद्ध पखावज वादक – पुरुषोत्तम दास (पद्मश्री)
  Famous Pakhavaj player - Purushottam Das (Padmashri)

➢ डैरू – भील व गोगाजी के भोपों द्वारा बजाया जाता है। आम की लकड़ी पर चमड़ा मढ़ कर बनाया जाता है।
Dairu - Played by Bhils and Bhopas of Gogaji. Made by covering mango wood with leather.

➢ ताशा / Taasha –

- मुस्लिम समुदाय द्वारा ताजियों के अवसर पर
  By the Muslim community on the occasion of Tazias
- ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती के उर्स पर
  On the Urs of Khwaja Muinuddin Chishti
- कच्छी घोड़ी नृत्य में
  In Kachhi Ghori dance

➢ दमामा (टामक) / Damama (Tamak)

- इसे भैंस की खाल से मढ़ा जाता है।
  It is covered with buffalo leather.
- रणभूमि का वाद्य है।
  It is a battlefield instrument.

➢ नौबत / Naubat

- इसे महलों में बजाया जाता है।
  It is played in palaces.
- रणभूमि का वाद्य है, इसे मंदिरों में भी बजाया जाता है।
  It is a battlefield instrument, it is also played in temples.

- इसे भैंस की खाल से मढ़ा जाता है।
  It is covered with buffalo leather.

➢ माटा या माठ / Maata or Maath–

- पाबूजी के पवाड़े माटा (माठ) वाद्य पर गाये जाते हैं।
  Pabuji's Pavadas are sung on the Maata (Maath) instrument.
- इसे मिट्टी के दो बड़े मटकों पर खाल मढ़ कर बनाया जाता है।
  It is made by covering leather on two large earthen pots.

➢ रावणहत्था / Ravanhattha –

- पाबूजी की फड़ रावणहत्था वाद्य के साथ गायी (बाँची) जाती है।
  Pabuji's Phad is played with the Ravanhattha instrument.
- राजस्थान का अति प्राचीन वाद्य (बहुप्रचलित वाद्य)
  Very ancient instrument of Rajasthan (most popular instrument)
- आधे कटे नारियल के खोल पर चमड़ा मढ़कर बनाया जाता है।
  It is made by covering leather on half cut coconut shell.
- तारों की संख्या – 9
  Number of strings - 9
- बांस के डंडे पर नौ तारवाली खूँटी लगी होती है जो घोड़े की पूँछ के बाल से बनी घुँघरू वाली गज व बांये हाथ की अंगुलियों से बजती है।
  A nine stringed peg is attached to the bamboo stick which is played with a ghunghroo bow made of horse tail hair and fingers of the left hand.

➢ गुर्जर जाति के द्वारा देवनारायण जी की गोठ पर ढाक वाद्य बजाया जाता है।
Dhak instrument is played at Devnarayan ji's Goth by the Gujjar caste.

➢ देवनारायण जी की फड़ जंतर वाद्य के साथ गायी (बाँची) जाती है।
Devnarayan ji's Phad is played with the Jantar instrument.

- जंतर वाद्ययंत्र में दो तुम्बे होते हैं।
  Jantar musical instrument has two gourds.

➢ कमायचा / Kamaicha –

- यह सारंगी के समान वाद्ययंत्र है। पर इसकी बनावट उससे थोड़ी भिन्न होती है।
  It is an instrument similar to Sarangi. But its design is slightly different from it.
- इसमें 12 तार होते हैं।
  It has 12 strings.
- मांगणियार गायक इसे बजाते हैं।
  Manganiyar singers play it.
- प्रसिद्ध वादक – साकर खाँ मांगणियार
  Famous player - Sakkar Khan Manganiyar
- कमायचा को बजाने के लिए 27 तार वाली गज का प्रयोग किया जाता है।
  A 27-stringed bow is used to play Kamaicha.

➢ भैरूजी के भोपों के द्वारा मशक बजाया जाता है।
Mashak is played by Bhairuji's Bhopas.

- भूंगल को रणभेरी कहते है।
  Bhungal is called Ranbheri.
- अलगोजा / Algoja –
  - अलगोजा में चार छेदों वाली दो बांसुरी होती है।
    Algoja has two flutes with four holes each.
  - यह मीणा और भीलों का प्रिय वाद्य है।
    It is the favourite instrument of Meena and Bhils.
  - यह चरवाहों का खानदानी वाद्य है।
    It is the ancestral instrument of shepherds.
  - प्रमुख वादक – रामनाथ चौधरी (नाक से बजाते हैं)(नकसाँसी से)
    Prominent player - Ramnath Chaudhary (plays with nose)
- शहनाई / Shehnai –
  - मांगलिक अवसरों पर शहनाई बजाई जाती है।
    Shehnai is played on auspicious occasions.
  - सुषिर वाद्यों में सर्वश्रेष्ठ व सुरीला सदैव दो व्यक्ति साथ बजाते है।
    The best and most melodious of all the wind instruments. It is always played by two persons together.
  - इसमें आठ छेद होते हैं।
    It has eight holes.
  - प्रमुख वादक / Main players –
    - बिस्मिल्ला खाँ / Bismillah Khan
    - चाँद मोहम्मद खाँ – जयपुर / Chand Mohammad Khan - Jaipur
    - माँगी बाई – मेवाड़ / Mangi Bai - Mewar
- ढोल – राजस्थान में बारह प्रकार से बजाया जाता है। (प्रमुख वादक – ढोली, सरगड़े, भील, भाम्भी)
  Dhol - It is played in twelve ways in Rajasthan. (Main players - Dholi, Sargade, Bhil, Bhambhi)
  - एहड़े का ढोल / Ehra Dhol
  - गैर का ढोल / Gair Dhol
  - नाचने का ढोल / Naach ka dhol
  - झोटी ताल (देवरे के देवी–देवताओं के सामने बजाया जाता है)
    Jhoti Taal (Played in front of the deities of Devra)
  - बारू ढोल (लूट के समय बजाया जाता है।)
    Baru Dhol (Played during loot.)
- सारंगी / Sarangi–
  - यह रोहिड़ा, सागवान तथा कैर की लकड़ी से बनाई जाती है।
    It is made from Rohida, Teak and Kair wood.
  - इसके तार बकरे की आंत के बनते है।
    Its strings are made from goat intestines.
  - इसकी गज घोड़े की पूँछ के बाल से बनती है।

Its bow is made from the hair of horse's tail.

- सारंगी के विभिन्न प्रकार / Different types of Sarangi –
  - धानी सारंगी – इसे निहालदे की कथा सुनाने वाले बजाते है।
    Dhani Sarangi - It is played by those who narrate the story of Nihalde.
  - गुजरातण सारंगी – लंगा बजाते है।
    Gujarati Sarangi - Played by Langa.
  - जोगीया सारंगी – भरथरी के जोगियों द्वारा
    Jogia Sarangi - Played by Jogis of Bharthari
  - सिंधी सारंगी / Sindhi Sarangi
  - जड़ी सारंगी / प्यालेदार सारंगी – मांगणियारों द्वारा
    Jaadi Sarangi/Pyaaladar Sarangi - Played by Manganiyars

➢ गौरजा – तत्त वाद्य / Gaurja - Tat Vadya

- गरासिया बजाते है (गणगौर पर)
  Played by Garasia (on Gangaur)
- अस्थायी रूप से मिट्टी से बनाया जाता है।
  Made temporarily from clay.
- महोत्सव के बाद इसे नष्ट कर दिया जाता है।
  It is destroyed after the festival.

➢ नड़ – कागोर वृक्ष की 1 मीटर लम्बी लकड़ी से बनाया जाता है। करणा भील प्रसिद्ध नड़ कलाकार (वाद्यकार) है।
Nad - Made from 1 meter long wood of Kagor tree. Karana Bhil is a famous Nad artist (instrumentalist).

➢ मोरचंग / Morchang –

- लोहे का बना छोटा सा वाद्ययंत्र
  A small musical instrument made of iron
- इसे होठों के बीच रखकर बजाया जाता है।
  It is played by keeping it between the lips.

➢ मशक / Mashak–

- भैरूजी के भोपों द्वारा बजाया जाता है।
  Played by the Bhopas of Bhairu Ji.
- इस वाद्य को चमड़े की सिलाई करके बनाया जाता है।
  This instrument is made by stitching leather.

प्रमुख वादक / Major Instrument players

- तबला वादक – उस्ताद जाकिर हुसैन, किशन महाराज, अल्लारखा खाँ, समता प्रसाद मिश्र (गुदई महाराज)
  Tabla players - Ustad Zakir Hussain, Kishan Maharaj, Allarakha Khan, Samta Prasad Mishra (Gudai Maharaj)
- **सरोद वादक –** उस्ताद अली अकबर खाँ, उस्ताद अमजद अली खाँ
  Sarod players - Ustad Ali Akbar Khan, Ustad Amjad Ali Khan
- **सुरबहार वादक –** अन्नपूर्णा देवी (पंडित रविशंकर की पत्नी)
  Surbahar player - Annapurna Devi (wife of Pandit Ravi Shankar)
- **सितार वादक / Sitar players –**
  1. पंडित रविशंकर–वाराणसी / Pandit Ravi Shankar -Varanasi
     - भारत रत्न (1999) / Bharat Ratna (1999)
     - गुरू – अलाऊद्दीन खाँ / Guru - Allauddin Khan
     - ग्रेमी पुरस्कार मिला (अमेरिका का प्रसिद्ध संगीत पुरस्कार)
       Received Grammy Award (America's famous music award)
  2. कुमारी अनुष्का (रविशंकर की पुत्री) / Kumari Anushka (Ravi Shankar's daughter)
  3. उस्ताद विलायत खाँ / Ustad Vilayat Khan
  4. पंडित विश्वमोहन भट्ट (जयपुर) / Pandit Vishwamohan Bhatt (Jaipur)
     - ग्रेमी पुरस्कार मिला / Received Grammy Award
     - प्रसिद्ध सितार वादक / Famous Sitar player
     - 1994 में स्पेनिश गिटार वादक राई–कुडर के साथ जुगलबंदी की (कॉम्पेक्ट डिस्क – A Meeting by the river)
       Did Jugalbandi with Spanish guitarist Ry-cooder in 1994 (Compact Disc- A Meeting by the river)
     - गौरिम्मा नामक नई राग बनाई।
       Created a new raga called Gaurimma.
     - **मोहन वीणा** बनाई (पश्चिमी गिटार में 14 तार जोड़कर)
       Created Mohan Veena (by adding 14 strings to the western guitar)
       - सरोद, वीणा, सितार का सम्मिश्रण है।
         It is a mixture of Sarod, Veena and Sitar.
     - भाई – शशिमोहन भट्ट – सितार वादक
       Brother - Shashimohan Bhatt - Sitar player
- वायलिन वादक – श्रीमती एन. राजम, सत्यदेव पँवार
  Violinist - Mrs. N. Rajam, Satyadev Pawar
- बांसुरी वादक – हरिप्रसाद चौरसिया, श्री पन्नालाल घोष
  Flute player - Hariprasad Chaurasia, Mr. Pannalal Ghosh
- सारंगी वादक – रामनारायण, उस्ताद सुल्तान खाँ (सारंगी का सुल्तान) (सीकर)
  Sarangi player - Ramnarayan, Ustad Sultan Khan (Sultan of Sarangi) (Sikar)
- संतूर वादक – पंडित शिव कुमार शर्मा (संतूर – जम्मू–कश्मीर का लोक वाद्य)
  Santoor player - Pandit Shiv Kumar Sharma (Santoor - folk instrument of Jammu and Kashmir)

- शहनाई वादक – भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्ला खाँ।
  Shehnai player - Bharat Ratna Ustad Bismillah Khan.
- महमूद धौलपुरी – हारमोनियम का जादूगर
  Mahmud Dholpuri - Magician of Harmonium
- रामकिशन (पुष्कर) – नगाड़े का जादूगर
  Ramkishan (Pushkar) - Magician of Nagada
- चाँद मोहम्मद खाँ(जयपुर) – शहनाई वादक
  Chand Mohammad Khan (Jaipur) - Shehnai player
- पंडित जसकरण गोस्वामी – सितार वादक
  Pandit Jaskaran Goswami - Sitar player
- जहुर खाँ मेवाती – भपंग का जादूगर
  Jahur Khan Mewati - Magician of Bhapang
- महाराणा कुम्भा – वीणा बजाते थे।
  Maharana Kumbha - used to play Veena.
- समुद्रगुप्त व औरंगजेब भी वीणा बजाते थे।
  Samudragupta and Aurangzeb also used to play Veena.

राजस्थान के नृत्य / Dances of Rajasthan

लोक नृत्य (तेज गति से अंगो का संचालन)
Folk dance (movement of body parts at a fast pace)

शास्त्रीय नृत्य (नियम और कायदे)
Classical dance(rules and regulations)

- **लोक नृत्य / Folk Dances –**
  - वे नृत्य जो किसी विशेष क्षेत्र या समुदाय की संस्कृति, परम्परा और जीवनशैली को दर्शाता है। जिन्हें आम लोग पीढ़ी दर पीढ़ी सीखते और करते हैं।
    These are the dances that reflect the culture, tradition and lifestyle of a particular region or community. These are learnt and performed by common people from generation to generation.
  - लोक नृत्य में जटिलता कम होती है और वे आमतौर पर सरल और सहज होते हैं।
    There is less complexity in folk dances and they are usually simple and spontaneous.
  - लोक नृत्य स्थानीय वाद्य यंत्रों के साथ किए जाते हैं।
    Folk dances are performed with local musical instruments.
  - लोक नृत्य वास्तव में संस्कृति की अभिव्यक्ति है।
    Folk dances are actually an expression of culture.
  - शरीर की चाल, चेहरे की भाव–भंगिमाएँ, वेशभूषा, आभूषण, सजावट आदि लोक नृत्य के अभिन्न अंग हैं।
    Body movements, facial expressions, costumes, jewellery, decorations etc. are integral parts of folk dances.
- **शास्त्रीय नृत्य / Classical Dance –**
  - शास्त्र सम्मत एवं शास्त्रानुशासित।
    It is in accordance with the scriptures and is governed by the scriptures.
  - इसमें प्रभावी अनुशासन का पालन किया जाता है।
    It follows effective discipline.
  - नियमों का प्रभावी ढ़ंग से अनुसरण किया जाता है।
    The rules are followed effectively.
  - इसमें नृत्य को एक साधना के रूप में समझा जाता है।
    It considers dance as a sadhana.
  - इनका आधार परम्परागत और धार्मिक होता है।
    Its basis is traditional and religious.
  - भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का आधार भरत मुनि द्वारा लिखित प्राचीलकालीन ग्रन्थ 'नाट्यशास्त्र' है।
    The basis of Indian classical dances is the ancient treatise 'Natyashastra' written by Bharat Muni.
  - शास्त्रीय नृत्य 'नवरस यानि नौ भाव' और 'संवेगो' को अभिव्यक्त करते हैं।
    The classical dances express 'Navrasa i.e. nine emotions' and 'emotions'.
  - संगीत नाटक अकादमी और संस्कृति मंत्रालय ने भारत में 8 नृत्यों को शास्त्रीय नृत्य के रूप में मान्यता दी है।
    The Sangeet Natak Academy and the Ministry of Culture have recognized 8 dances as classical dances in India.

राजस्थान के लोक नृत्य / Folk dances of Rajasthan

क्षेत्रीय	व्यावसायिक	जातीय	जनजातीय
Regional	Professional	Ethnic/cast	Tribal

राजस्थान के जातीय नृत्य / Ethnic dances of Rajasthan

- कालबेलिया / Kalbelia
- गुर्जर / Gurjar
- मेव / Meo
- भाट / Bhaat

➢ कालबेलिया जाति के लोक नृत्य / Folk dances of Kalbelia cast/community –

1. इण्डोणी – युगल
   Indoni - Duet/Couple
2. शंकरिया – युगल – प्रेम कहानी पर आधारित
   Shankariya - Duet/ Couple - Based on love story
3. पणिहारी – युगल – पणिहारी गीत के साथ
   Panihari - Duet/ Couple - With Panihari song
4. बाँगड़िया – स्त्री
   Bangadia - Women
5. स्नेक चार्म – युगल – प्रसिद्ध कलाकार – कमली सपेरा, गुलाबो सपेरा
   Snake Charm - Duet/ Couple - Famous artist - Kamli Sapera, Gulabo Sapera

1. इण्डोणी / Indoni –

- कालबेलिया स्त्री–पुरूषों द्वारा गोल घेरा बनाकर।
  Performed by Kalbelia men and women in a circular circle.
- पुंगी व खंजरी बजाया जाता है।
  Pungi and Khanjari are played.
- इसमें औरतों की पोशाकें सुन्दर होती हैं।
  In this, the dresses of women are beautiful.
- पोशाकों पर मोतियों और मणियों की सजावट होती है।
  There is decoration of beads and gems on the dresses.

2. बाँगड़िया / Bangadia –

- कालबेलिया स्त्रियों द्वारा भीख माँगते समय किया जाता है।
  Performed by Kalbelia women while begging.
- यह बहुत तीव्र गति से होता है।
  It is done at a very fast pace.

- इसके साथ में चंग बजाया जाता है।
  Chang is played along with it.

नोट – **2010** – कालबेलिया नृत्य को यूनेस्को की अमूर्त विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
Note - **2010 -** Kalbelia dance was included in the UNESCO Intangible World Heritage List.
नोट :– **आमेर** – कालबेलिया स्कूल ऑफ डांस
Note:- **Amer** - Kalbelia School of Dance

➢ **गुर्जर जाति के लोक नृत्य / Folk dances of Gurjar cast/community**

1. चरी – स्त्रियों द्वारा / Chari - by women
2. झूमर – पुरूषों द्वारा / Jhoomar - by men

1. **चरी / Chari –**
   - इसमें स्त्री अपने सिर पर चरी रखकर नृत्य करती है।
     In this, the woman dances by keeping the Chari on her head.
   - चरी में से आग की लपटें निकलती है।
     Flames come out of the Chari.
   - इसमें कपास के बीज जलाए जाते हैं।
     Cotton seeds are burnt in it.
   - किशनगढ़ (अजमेर) का प्रसिद्ध है।
     It is famous in Kishangarh (Ajmer).
   - किशनगढ़ की 'फलकू बाई' प्रसिद्ध कलाकार।
     Kishangarh's 'Falku Bai' is a famous artist.
   - गुर्जर महिलाओं द्वारा मांगलिक अवसरों पर किया जाता है।
     It is performed by Gurjar women on auspicious occasions.
   - अन्य कलाकार – सुनिता रावत, मोहन सिंह गौड़
     Other artists - Sunita Rawat, Mohan Singh Gaur

2. **झूमर / Jhoomar –**
   - गुर्जर पुरूषों द्वारा किया जाने वाला वीररस प्रधान नृत्य।
     A heroic dance performed by Gurjar men.
   - झूमरा वाद्ययंत्र बजाया जाता है।
     Jhoomar musical instrument is played.
   - यह नृत्य गुर्जर और अहीर परिवारों में आज भी जीवित है।
     This dance is still alive in Gujjar and Ahir families.

➢ **मेव जाति के लोक नृत्य / Folk dances of Meo caste –**

1. रणबाजा – युगल / Ranbaja - Duet/Couple
2. रतवई – स्त्री / Ratwai - Women

➢ **भाट जाति के लोक नृत्य / Folk dances of Bhaat caste –**

1. बाळदिया – पुरूष / Baldiya - Men

राजस्थान के जनजातीय नृत्य / Tribal dances of Rajasthan

- भील / Bhil
- गरासिया / Garasia
- कथौड़ी / Kathodi
- मीणा / Meena
- सहरिया / Sahariya
- कंजर / Kanjar

➢ भील जनजाति के लोक नृत्य / Folk dances of Bhil tribe –

1. गवरी / राई – पुरूष – मेवाड़ / Gavari/Rai - Men - Mewar
2. गैर – पुरूष – मेवाड़ / Gair - Men - Mewar
3. नेजा – युगल – मेवाड़ / Neja - Couple - Mewar
4. द्विचक्री – युगल / Dwichakri - Couple
5. युद्ध – पुरूष / Yudh - Men
6. घूमरा – स्त्री / Ghoomra - Women
7. हाथीमना – पुरूष / Hathimana - Men
8. रमणी – विवाह के अवसर पर भील जनजाति द्वारा विवाह मण्डप के सामने किया जाने वाला लोक नृत्य। पुरुष इसमें बाँसुरी व मांदल वाद्ययंत्र बजाते हैं।
   Ramni - A folk dance performed by the Bhil tribe in front of the wedding pavilion on the occasion of marriage.Men play flute and mandal instruments in it.

1. गवरी / राई / Gavari/Rai –

- इसमें शिव–पार्वती के पात्र बनाकर नाटक के रूप में नृत्य किया जाता है।
  In this, the characters of Shiva-Parvati are created and dance is performed in the form of a drama.
- इसमें शिव–भस्मासुर की कथा का मंचन होता है।
  In this, the story of Shiva-Bhasmasura is staged.
- इसमें शिव को 'पुरिया' कहते है।
  In this, Shiva is called 'Puriya'.
- यह एक लोक नाट्य है। (विस्तृत रूप से लोक नाट्यों में)
  This is a folk theater/drama. (Extensively in folk theaters/dramas/Lok Natya)

2- गैर – (मेवाड़ में भील पुरुषों द्वारा) / Gair - (Performed by Bhil men in Mewar)

- होली के अवसर पर भील पुरूषों द्वारा।
  Performed by Bhil men on the occasion of Holi.
- फसल कटाई के दौरान।
  During harvesting
- इसमें नर्तक अपने हाथ में एक छड़ रखता है।
  In this, the dancer holds a stick in his hand.
- एक–दूसरे की छड़ों को आपस में टकराते है। (छड़ों को खाण्डा कहते है।)
  They clash each other's sticks against each other. (The sticks are called Khanda.)

- महिलाएँ गैर के प्रत्युत्तर में फाग गाती है।
  Women sing Phaag in response to Gair.

3. नेजा / Neja –

- भील मीणाओं का खेल नृत्य।
  A game dance of Bhil Meenas.
- खेरवाड़ा (उदयपुर), डूंगरपुर का प्रसिद्ध।
  Famous in Kherwada (Udaipur), Dungarpur.
- होली के अवसर पर किया जाने वाला युगल नृत्य।
  Couple dance performed on the occasion of Holi.
- इसमें एक खम्भा जमीन पर रोपकर उस पर नारियल बाँधा जाता है।
  In this, a pillar is fixed in the ground and a coconut is tied on it.
- स्त्रियाँ हाथ में कोड़े व छड़ियाँ लेकर खम्भे को घेर लेती है।
  Women surround the pole with whips and sticks in their hands.
- पुरूष नारियल उतारने का प्रयास करते है व औरते उन्हें रोकने का प्रयास करती है।
  Men try to take down the coconut and women try to stop them.
- इस नृत्य के अवसर पर ढोल पर ''पगालिया लेना'' नामक थाप दी जाती है।
  On the occasion of this dance a beat called "Pagaliya Lena" is given on the dhol.

4. द्विचक्री / Dwichakri –

- विवाह पर – स्त्री–पुरूष / On marriage - men and women
- दो वृत बनाकर / By forming two circles

5. युद्ध / Yudha –

- पहाड़ी क्षेत्रों में भील पुरूषों द्वारा दो दल बनाकर यह नृत्य किया जाता है।
  In the hilly areas, this dance is performed by Bhil men by forming two groups.
- तीर, कमान, भाले, बरछी व तलवारों के साथ।
  arrows, bows, spears, lances and swords.

6. घूमरा / Ghoomra –

- स्त्री – अर्द्धवृत बनाकर। / Women - by forming a semicircle.
- इसमें थाली व ढोल बजाया जाता है। / Thali and drum are played in it.

7. हाथीमना / Hathimana –

- विवाह – भील पुरूष / Marriage - Bhil men
- घुटनों के बल बैठकर / Sitting on knees
- इसमें युद्ध कला का प्रदर्शन होता है। / In this, the art of war is demonstrated.

➢ **कथौड़ी जनजाति के लोक नृत्य / Folk dances of Kathodi tribe**

1. मावलिया – पुरूष – नवरात्री पर
   Mawaliya - men - on Navratri
2. **होली** – स्त्री – होली पर
   Holi - women - on Holi

- इसमें महिलाएं एक–दूसरे के कन्धे पर चढ़ कर पिरामिड बनाती है।
  In this, women climb on each other's shoulders and form a pyramid.
- इसमें 10–12 महिलाएँ समूह बनाकर एक–दूसरे का हाथ पकड़कर गीत गाते हुए यह नृत्य करती हैं।
  In this, 10-12 women form a group and dance this dance while holding each other's hands and singing songs.

➢ **गरासिया जनजाति के लोक नृत्य / Folk dances of Garasia tribe –**

1. वालर – मेवाड़ – युगल / Walar - Mewar - Couple
2. कूद – मेवाड़ – युगल / Kood - Mewar - Couple
3. मोरिया – कोटा – पुरूष / Moria - Kota - Men
4. गवारा / Gawara
5. जवारा – युगल – होली / Jawara - Couple - Holi
6. भोरिया / Bhoria
7. रायण – पुरूष / Rayan - Men
8. घूमर – स्त्री / Ghoomar - Women
9. लूर – स्त्री / Loor - Women
10. गर्वा – स्त्री / Garva - Women
11. गरबा – स्त्री / Garba - Women
12. मांदल – स्त्री / Mandal - Women
13. गौर – युगल / Gaur - Couple

1. **वालर / Walar –**
   - अत्यन्त धीमी गति से होता है।
     It is performed at a very slow pace.
   - बिना वाद्ययंत्र के।
     Without musical instruments.
   - इसमें स्त्री–पुरूषों द्वारा दो अर्द्धवृत बनाकर नृत्य करते है।
     In this, men and women dance by forming two semicircles.
   - इस नृत्य का प्रारम्भ सबसे बुजुर्ग व्यक्ति हाथ में तलवार या छाता लेकर करता है।
     This dance is started by the oldest person with a sword or umbrella in his hand.
2. **कूद / Kood –**
   - युगल / Couple
   - बिना वाद्य के। / Without musical instruments.
   - इस नृत्य में तालिया बजायी जाती है। / Clapping is done in this dance.
3. **मोरिया –** कोटा क्षेत्र में पुरूषों द्वारा विवाह के अवसर पर किया जाता है।
   Moria - It is performed by men on the occasion of marriage in Kota region.
4. **जवारा / Jawara –**
   - होली पर स्त्री व पुरूषों द्वारा।

Performed by men and women on Holi.

- इसमें स्त्रियों के हाथ में ज्वार की बालियाँ होती है।
  In this, women have Jowar Baliyan (sorghum heads) in their hands..

5. **रायण** – मांगलिक अवसरों पर गरासिया पुरूषों द्वारा।
   Rayan - Performed by Garasia men on auspicious occasions.
6. **लूर / Loor –**
   - वर पक्ष की महिलाओं द्वारा वधु पक्ष की महिलाओं के सामने।
     Performed by women of the groom's side in front of women of the bride's side.
   - रिश्ते की मांग करते समय।
     While asking for a relationship.
7. **गर्वा / Garva –**
   - गरासियों का सबसे मोहक नृत्य। / The most charming dance of Garasis.
   - स्त्रियों द्वारा। / Performed by women.
8. **गरबा –** मांगलिक अवसरों पर गरासिया महिलाओं द्वारा।
   Garba - Performed by Garasia women on auspicious occasions.
9. **मांदल / Mandal–**
   - मांगलिक अवसरों पर स्त्रियों द्वारा।
     Performed by women on auspicious occasions.
   - इस पर गुजराती गरबे का प्रभाव है।
     It has the influence of Gujarati Garba.
   - इसमें बाँसुरी व थाळी बजायी जाती है।
     Flute and thaali are played in it.

   नोटः– मांदल एक चमड़े से बना वाद्य होता है।
   Note: Mandal is an instrument made of leather.
10. **गौर / Gaur –**
    - गणगौर के अवसर पर स्त्री–पुरूषों द्वारा किया जाने वाला अनुष्ठानिक नृत्य।
      Ritual dance performed by men and women on the occasion of Gangaur.
    - गौरजा वाद्ययंत्र बजता है।
      Gaurja musical instrument is played.
    - आबू का प्रसिद्ध है।
      Famous in Abu

    नोटः– गरासियों की गौर आबू की प्रसिद्ध है।
    Note:- Gaur of Garasis is famous in Abu.

➢ **<u>सहरिया जनजाति के लोक नृत्य / Folk dances of Sahariya tribe –</u>**

1. शिकारी – पुरूष – आखेट कला का प्रदर्शन
   Shikari - Men - Demonstration of hunting art
2. लहँगी – स्त्री
   Lehengi - Women
3. इन्द्रपुरी – पुरूष – इन्द्रपुरी के स्वांग पर किया जाता है।

Indrapuri - Men - Performed on the Swang of Indrapuri.

4. झेला – युगल
   Jhela - Couple

➢ **कन्जर जनजाति के लोक नृत्य / Folk dances of Kanjar tribe –**

1. मछली – स्त्री / Machli - Women
2. चकरी / फूँदी – स्त्री / Chakri/Fundi - Women
3. धाकड़ – पुरूष / Dhakad - Men

1. **मछली / Machli –**

- हाड़ौती क्षेत्र में बणजारा जाति की स्त्रियों द्वारा चाँदनी रात में अपने खेमों में यह नृत्य किया जाता है।
  In Hadauti region, this dance is performed by women of Banjara caste in their camps on moonlight nights.
- राजस्थान का एक मात्र लोकनृत्य जिसका प्रारम्भ खुशी के साथ और अन्त दुःख के साथ होता है।
  The only folk dance of Rajasthan which begins with happiness and ends with sadness.

2. **चकरी / फूँदी / Chakri/Fundi –**

- बून्दी में कजली तीज के अवसर पर कन्जर जाति की अविवाहित लड़कियों द्वारा तेज गति से चक्कर काटते हुए चकरी नृत्य किया जाता है।
  On the occasion of Kajali Teej in Bundi, the Chakri dance is performed by unmarried girls of the Kanjar caste, who spin around at a fast speed.
- बाराँ जिले की छबड़ा तहसील के नर्तक इस नृत्य में निपुण हैं।
  Dancers of Chhabra tehsil of Baran district are expert in this dance.
- देवीलाल सागर ने इस नृत्य को लोकप्रिय बनाया था।
  Devi Lal Sagar made this dance popular.
- बेड़िया जाति की लड़कियाँ भी यह नृत्य करती है।
  Girls of Bedia caste also perform this dance.
- प्रसिद्ध कलाकार – शांति देवी, फुलवा फिल्मा
  Famous artists - Shanti Devi, Phulwa Filma

3. **धाकड़ / Dhaakad –**

- झालापाव की जीत की याद में कंजर पुरूषों द्वारा।
  Performed by Kanjar men in memory of the victory of Jhalapaw.
- युद्ध कला का अभिनय करते हुए।
  Performing the art of war.
- शौर्य से परिपूर्ण नृत्य।
  Dance full of bravery.

➢ **मीणा जनजाति के लोक नृत्य / Folk dances of Meena tribe–**

1. रसिया – युगल – सवाई माधोपुर, करौली, दौसा
   Rasiya - Couple - Sawai Madhopur, Karauli, Dausa
2. नेजा – युगल
   Neja - Couple

3. सुगनी – युगल – पाली
   Sugni - Couple - Pali
   - भीगौना व गुईया आदिवासी युवक–युवती द्वारा।
     Performed by Bhigouna and Guiya tribal boys and girls.
   - श्रावण में।
     In Shravan.
   - एक–दूसरे को आकर्षित करने के लिए।
     To attract each other.

राजस्थान के व्यावसायिक नृत्य / Professional dances of Rajasthan

1. भवाई – मेवाड़ – पुरूष–महिला
   Bhavai - Mewar - Men-Women
2. कच्छी घोड़ी – शेखावाटी – पुरूष
   Kachhi Ghodi - Shekhawati - Men
3. तेरहताली – रामदेवरा (जैसलमेर) – स्त्री
   Terhatali - Ramdevra (Jaisalmer) - Women
4. भोपों के नृत्य – मेवाड़ और मारवाड़ – युगल
   Dances of Bhopas - Mewar and Marwar - Couple

1. भवाई / Bhavai–

- मेवाड़ का प्रसिद्ध (उदयपुर संभाग)
  Famous of Mewar (Udaipur division)
- यह नृत्य अपने चमत्कारिता के लिए प्रसिद्ध।
  This dance is famous for its magic.
- इसमें नर्तक या नर्तकी अपने सिर पर 8–10 घड़े रखकर काँच के टुकड़ों, तलवारों, गिलासों पर नृत्य करता / करती है।
  In this, the male dancer or female dancer dances on glass pieces, swords, glasses by keeping 8-10 pots on his/her head.
- इसमें शास्त्रीय कला की झलक दिखती है।
  It shows a glimpse of classical art.
- भवई के प्रमुख प्रकार / नाच – बोरी, लोडी, ढोकरी, सूरदास, शंकरिया, बीकाजी, ढोला– मारू
  Main type/dances of Bhavai - Bori, Lodi, Dhokri, Surdas, Shankariya, Bikaji, Dhola-Maru
- प्रमुख कलाकार – रूपसिंह शेखावत, दयाराम, साँगीलाल साँगडिया (बाड़मेर), तारा शर्मा, अस्मिता काला, पुष्पा व्यास (जोधपुर), स्वरूप पँवार (बाड़मेर), कलजी, कुसुम, द्रोपदी।
  Main actors - Roop Singh Shekhawat, Dayaram, Sangilal Sangadia (Barmer), Tara Sharma, Asmita Kala, Pushpa Vyas (Jodhpur), Swaroop Panwar (Barmer), Kalji, Kusum, Draupadi.

अस्मिता काला / Asmita Kala–

- जयपुर / Jaipur
- दो बार लिम्का बुक में नाम दर्ज
  Name recorded in Limca Book twice

- इसे 'भवाई श्री' व 'लिटिल वन्डर ऑफ राजस्थान' कहते हैं।
  she know as 'Bhavai Shri' and 'Little Wonder of Rajasthan'.
- इसने अपने सिर पर 111 व 195 घड़े रखकर नृत्य किया।
  She danced with 111 and 195 pots on his head.

2. तेरहताली / Terhatali –

- उद्भव – पादरला गाँव (पाली)
  Origin - Padarla village (Pali)
- रामदेवरा (जैसलमेर), पादरला (पाली), डीडवाणा, नागौर का प्रसिद्ध है।
  Famous in Ramdevra (Jaisalmer), Padarla (Pali), Deedwana, Nagaur.
- रामदेवजी के मेले में कामड़ जाति की महिलाओं द्वारा।
  Performed by women of Kamad caste in Ramdevji fair.
- रामदेवजी के मेले का आकर्षण।
  Attraction of Ramdevji fair.
- पादरला गाँव की मांगी बाई प्रसिद्ध कलाकार।
  Mangi Bai of Padarla village is a famous artist.
- अन्य कलाकर – मोहिनी, नारायणी, लक्ष्मणदास कामड़।
  Other artists - Mohini, Narayani, Laxmandas Kamad.
- इसमें नर्तकी अपने शरीर के 13 भिन्न स्थानों पर मंजीरे बाँध कर यह नृत्य करती है। (नौ दायें पैर में, दो हाथों की कोहनी के ऊपर और एक–एक दोनों हाथो पर बाँधें जाते हैं)
  In this, the dancer performs this dance by tying Manjira at 13 different places of her body. (Nine are tied on the right leg, two above the elbow of the hands and one on each hand)
- यह नृत्य बैठकर किया जाता है।
  This dance is performed while sitting.
- नर्तकी हाथ के मंजीरों से अन्य मंजीरों पर प्रहार करते हुए यह नृत्य करती है।
  The dancer performs this dance by striking other Manjira with the Manjira of her hand.

3. कच्छी घोड़ी नृत्य / Kacchi Ghodi Nritya

- प्रसिद्ध – शेखावाटी, नागौर, डीडवाना–कुचामण (परबतसर)
  Famous – Shekhawati, Nagaur, Didwana-Kuchaman (Parbatsar)
- विवाह के अवसर पर।
  On the occasion of marriage.
- वीररस प्रधान नृत्य / Heroic dance
- वाद्ययंत्र – ढोल, बाँकिया, थाळी, घुँघरू
  Musical instruments – Dhol, Bankia, Thaali, Ghungharoo
- इसमें काठ बाँस की घोड़ी होती है जिसके मध्य में पुरूष खड़ा होकर उसे संचालित करता हुआ नृत्य करता है।
  It has a horse made of wood and bamboo, in the centre of which a man stands and dances while driving it.
- इसमें आठ (4 + 4) व्यक्ति भाग लेते है।
  Eight (4 + 4) persons participate in it.
- इसमें कमल का फूल बनाने की कला होती है।

It has the step of making a lotus flower.

- इसमें गाये जाने वाले गीत – लसकरिया, रसाला, बींद, रंगमारिया
  Songs sung in it - Laskariya, Rasala, Bind, Rangmaria

राजस्थान के क्षेत्रीय लोक नृत्य / Regional Folk Dances of Rajasthan

1. घूमर – मारवाड़ – स्त्री
   Ghoomar - Marwar - Women
2. ढोल – जालौर – पुरूष
   Dhol - Jalore - Men
3. झूमर – हाड़ौती – स्त्री – मांगलिक अवसरों पर
   Jhumar - Hadoti - Women - On auspicious occasions
4. चंग – शेखावाटी – पुरूष – होली पर – चंग के साथ
   Chang - Shekhawati - Men - On Holi - With Chang
5. घुड़ला – मारवाड़(जोधपुर) – स्त्री
   Ghudla - Marwar (Jodhpur) - Women
6. डफ(ढफ) – शेखावाटी – पुरूष – बसंत पंचमी पर
   Daf (Dhaf) - Shekhawati - Men - On Basant Panchami
7. अग्नि – कतरियासर (बीकानेर) – पुरूष
   Agni - Katariyasar (Bikaner) - Men
8. बम – भरतपुर, अलवर – पुरूष (मेवात क्षेत्र)
   Bam - Bharatpur, Alwar - Men (Mewat region)
9. डांडिया – मारवाड़ – पुरूष
   Dandiya - Marwar - Men
10. सूकर – मेवाड़ – पुरूष
    Sukar - Mewar - Men
11. लांगूरिया – करौली – युगल
    Languria - Karauli - Couple
12. बिंदोरी – झालावाड़ – युगल
    Bindori - Jhalawar - Couple
13. डांग – नाथद्वारा – युगल
    Dang - Nathdwara - Couple
14. गरबा – बाँसवाड़ा – डूंगरपुर – स्त्री
    Garba - Banswara - Dungarpur - Women
15. नाहर – भीलवाड़ा – पुरूष
    Nahar - Bhilwara - Men
16. गैर – मेवाड़, बाड़मेर – पुरूष
    Gair - Mewar, Barmer - Men
17. खारी – मेवात(खैरथल–तिजारा, अलवर, भरतपुर) – स्त्री
    Khari - Mewat(khairthal-Tijara, Alwar, Bharatpur) - Women
18. झाँझी – मारवाड़ – स्त्री
    Jhanjhi - Marwar - Women

19. भैरव – ब्यावर – पुरूष
Bhairav - Beawar - Men
20. लूम्बार – जालौर – स्त्री – होली पर
Lumber - Jalore - Women - On Holi
21. जिन्दाद – शेखावाटी – पुरूष
Zindad - Shekhawati - Men
22. चरकुला – भरतपुर – स्त्री
Charkula - Bharatpur - Women
23. ल्हूर/लूहर – शेखावाटी – पुरूष
Lhur/Luhar - Shekhawati - Men
24. टूंट्या – वर पक्ष की स्त्रियों द्वारा – विवाह पर
Tountya - By women of the groom's side - On marriage
25. गींदड़/गीदड़ – शेखावाटी – पुरूष
Ghindar/Ghidar - Shekhawati - Men

1. घूमर/ Ghoomar –

- राजस्थान का सबसे प्रसिद्ध लोकनृत्य
The most famous folk dance of Rajasthan
- राजस्थान के लोक नृत्यों का सिरमौर है।
It is the leader of the folk dances of Rajasthan.
- लोक नृत्यों की आत्मा।/ The soul of folk dances.
- राज्य नृत्य।/ State dance
- मांगलिक अवसरों पर महिलाओं द्वारा किया जाता है।
Performed by women on auspicious occasions.
- विशेषतः गणगौर पर।/ Especially on Gangaur
- इसमें आठ कहरवे की एक विशेष चाल होती है। जिसे 'सवाई' कहते है।
It has a special gait of eight Kaharve. Which is called 'Sawai'.
- प्रकार –
Types -
  1. लूर – राजपूत महिलाओं द्वारा।
  Loor - by Rajput women.
  2. घूमर – अन्य महिलाओं द्वारा।
  Ghoomar - by other women.
  3. झूमरियो – बालिकाओं द्वारा।
  Jhumrio - by girls.

2. ढोल –जालौर/ Dhol - Jalore

- सांचलिया संप्रदाय में विवाह पर पुरूषों द्वारा।
By men on marriage in Sanchaliya sect.
- इसमें ढोल को थाकना शैली में बजाते है।
In this the dhol is played in Thakna style.
- भूतपूर्व मुख्यमंत्री जयनारायण व्यास इसके संरक्षक रहे।
Former Chief Minister Jaynarayan Vyas was its patron.

3. **घुड़ला – मारवाड़ (जोधपुर) / Ghudla - Marwar (Jodhpur)**
   - एक घड़े में छोटे–छोटे छेद करके उस में दीपक रखकर महिलाएँ उसे अपने सिर पर धारण करके नृत्य करती है।
     By making small holes in a pot and placing a lamp in it, women wear it on their head and dance.
   - गणगौर पर किया जाता है।
     It is performed on Gangaur.

4. **बम रसिया – अलवर, भरतपुर / Bam Rasiya - Alwar, Bharatpur**
   - होली पर पुरूषों द्वारा
     By men on Holi.
   - इसमें रसिया गीत गाया जाता है।
     Rasiya song is sung in it.
   - इसमें नगाड़ा बजाया जाता है।
     Nagara is played in it.
   - यह नृत्य नयी फसल के आने की खुशी में किया जाता है।
     This dance is performed to celebrate the arrival of a new crop.

5. **अग्नि नृत्य – कतरियासर (बीकानेर) / Agni Nritya/Fire Dance - Katariyasar (Bikaner)**
   - जसनाथी संप्रदाय के सिद्ध जाट पुरूषों द्वारा जलते हुए अंगारों पर।
     Performed by the Siddha Jaat men of Jasnathi sect on burning embers.
   - इसमें फतह–फतह का उद्घोष होता है।
     In this, the proclamation of Fateh-Fateh is made.
   - इसमें मतिरा फोड़ना, फूल बनाना तथा हल जोतने की कला होती है।
     In this, there is the art/stap of breaking the Watermelon, making flowers and ploughing.
   - महाराजा गंगासिंह इस नृत्य के संरक्षक रहे।
     Maharaja Ganga Singh was the patron of this dance.

6. **लांगुरिया नृत्य / Languria Dance –**
   - करौली में कैला माता के भक्तों द्वारा लांगुरिया गीत पर किया जाता है।
     In Karauli, it is performed by the devotees of Kaila Mata on the song Languria.
   - लांगुरिया – हनुमान जी का लोक स्वरूप
     Languria - Folk form of Hanuman Ji
   - करौली में कैला माता को अंजना माता का अवतार माना जाता है।
     In Karauli, Kaila Mata is considered to be the incarnation of Anjana Mata.

7. **डांडिया – मारवाड़ (जोधपुर) का प्रसिद्ध / Dandiya - Famous in Marwar (Jodhpur)**
   - होली पर पुरूषों द्वारा(होली के बाद, गणगौर के दौरान)
     Performed by men on Holi (after Holi, during Gangaur)
   - 20–25 पुरूष अपने हाथों में लम्बी छड़ियाँ लेकर गोल घेरा बनाकर युद्ध कला का प्रदर्शन करते हुए यह नृत्य करते हैं।

20-25 men perform this dance by forming a circle with long sticks in their hands and demonstrating martial arts.

8. **खारी / Khari–**
   - मेवात (खैरथल–तिजारा, अलवर, भरतपुर) क्षेत्र में दुल्हन की विदाई पर दुल्हन की सहेलियों द्वारा अपने हाथों की चूड़ियां बजाते हुए यह नृत्य किया जाता है।
     In the Mewat (Khairthal-Tijara, Alwar, Bharatpur) region, this dance is performed by the bride's friends playing the bangles on their hands at the time of the bride's departure.
9. **चरकुला / Charkula –**
   - मूलतः – उत्तरप्रदेश / Originally from - Uttar Pradesh
   - राजस्थान में यह नृत्य भरतपुर का प्रसिद्ध है / This dance is famous of Bharatpur in Rajasthan
   - स्त्रियाँ करती है। / Performed by women.
10. **सूकर / sookar –**
    - मेवाड़ में आदिवासी पुरूषों द्वारा अपने देवता 'सूकर' का मुखोटा पहनकर यह नृत्य किया जाता है।
      Performed by tribal men in Mewar wearing the mask of their god 'Sookar'.
11. **नाहर / Nahar –**
    - माण्डल (भीलवाड़ा) का प्रसिद्ध।
      Famous in Mandal (Bhilwara).
    - होली पर – पुरूष करते हैं।
      Performed by men on Holi.
    - शरीर पर रूई लगाकर शेर बनते है।
      Lions are made by applying cotton on the body.
    - ढोल की थाप पर यह नृत्य होता है।
      This dance is performed on the beat of drums.
    - इसका उद्भव शाहजहाँ के समय हुआ।
      It originated during the time of Shahjahan.
12. **भैरव –** यह नृत्य ब्यावर में बादशाह की सवारी के आगे बीरबल करता है।
    Bhairav - This dance is performed by Birbal in front of the Baadshah's procession in Beawar.

13. **गरबा / Garba –**
    - मूलतः – गुजरात / Originally from - Gujarat
    - राजस्थान – बाँसवाड़ा, डूंगरपुर / Rajasthan - Banswara, Dungarpur
    - स्त्रियों द्वारा तीन भाग में। / Performed by women in three parts.
      - गबरी – शक्ति की आराधना
        Gabri - Worship of Shakti
      - रास – कृष्ण व राधा का प्रेम चित्रण
        Raas - Depiction of love between Krishna and Radha
      - डांडिया – लोक जीवन की झलक
        Dandiya - A glimpse of folk life
    - नवरात्री पर / On Navratri

14. गैर नृत्य / Gair Nritya –

- मेवाड़ व बाड़मेर का प्रसिद्ध।
  Famous in Mewar and Barmer.
- बाड़मेर का कडाणा गाँव इस नृत्य के लिए प्रसिद्ध है।
  Kadana village of Barmer is famous for this dance.
- होली के दूसरे दिन से 15 दिन तक।
  From the second day of Holi to the 15th day.
- इसे घेर नृत्य भी कहते हैं।
  It is also called Gher Nritya
- भाग लेने वाले गैरिये कहलाते हैं।
  The participants are called Gairiya.
- वाद्य यंत्र – ढोल, बांकिया, थाळी, डंडा।
  Musical instruments - Dhol, Bankiya, Thaali, Danda.
- मेवाड़ में गैर नृत्य में पुरूषों के कपड़े – लाल
  Clothes of men in Gair dance in Mewar - Red
- बाड़मेर में गैर नृत्य में पुरूषों के कपड़े – सफेद
  Clothes of men in Gair dance in Barmer-White
- गैर के प्रकार – 1. आँगी 2. बाँगी
  Types of Gair - 1. Aangi 2. Bangi

15. बिन्दोरी – झालावाड़ / Bindori - Jhalawar

- स्त्री+पुरूष / Women + Men
- विवाह पर / On marriage
- जब होली पर होता है तब गैर शैली में होता है।
  When it is performed on Holi, it is performed in Gair style.

16. गींदड़ / गीदड़– शेखावाटी का सबसे प्रसिद्ध लोकनृत्य
Ghindar /Ghidar- The most famous folk dance of Shekhawati

- होली पर (खंभ रोपण से होली के बाद तक)
  On Holi (from the time of pole installation till after Holi)
- पुरूषों द्वारा / By men
- इसमें वह पुरूष पात्र जो महिलाओं की वेशभूषा धारण करते है वह 'गणगौर' कहलाते है।
  In this, the male characters who wear women's costumes are called 'Gangaur'.
- इसमें लकड़ी के छोटे–छोटे हथियार बनाए जाते है।
  In this, small wooden weapons are made.
- इसमें नगाड़ा बजाया जाता है।
  In this, the nagara is played.
- इसमें कई स्वांग होते है।
  There are many plays/swang in it.
  - सेठ – सेठानी / Seth - Sethani

- दुल्हा – दुल्हन / Dulha - Dulhan
- साधु – साधविन / Sadhu - Sadhvin

- फतहपुर शेखावाटी (सीकर) का प्रसिद्ध
  Famous of Fatehpur Shekhawati (Sikar)

17. जिन्दाद – शेखावाटी (दातारामगढ़, सीकर)
    Zindaad - Shekhawati (Dataramgarh, Sikar)
    - पुरूष / Men
    - ढोलक बजाया जाता है।
      Dholak is played.
18. ल्हुर / लूहर – शेखावाटी का अश्लील नृत्य।
    Lhur/Luhar - Obscene dance of Shekhawati.
    - इसमें अभिनेता और अभिनेत्री बनाकर फिल्मी गानों पर नृत्य किया जाता है।
      In this, actors and actresses are made and dance is done on film songs.
    - चिड़ावा (झुंझुनूं) का प्रसिद्ध है। / Famous of Chidawa (Jhunjhunu).

शास्त्रीय नृत्य / Classical Dance

➢ कत्थक : अर्थ – कथा कहने वाला
Kathak : meaning - Story teller

- उत्तर भारत का एकमात्र शास्त्रीय नृत्य
  The only classical dance of North India
- दो घराणे –
  Two Gharana -
  1. जयपुर – हिन्दु घराणा / पंचशाखा घराणा – प्राचीन घराणा
     Jaipur - Hindu Gharana/Panchshakha Gharana - Ancient Gharana.
  2. लखनऊ – मुस्लिम घराणा – नवीन घराणा
     Lucknow - Muslim Gharana - New Gharana
- Step – पारन, तोरा (तोड़ा), थाट
  Step – Paran, Tora, Thaat
- प्रसिद्ध कलाकार – बिरजु महाराज, रोशन कुमारी, रोहिणी भाटे, उमा शर्मा, अल्का नुपूर, प्रेरणा श्रीमाली, राजेन्द्र गंगाणी, गिधाजी, कानुजी, भानुजी महाराज(जयपुर घराणे के प्रवर्तक), दुर्गालाल।
  Famous artists - Birju Maharaj, Roshan Kumari, Rohini Bhate, Uma Sharma, Alka Nupur, Prerna Shrimali, Rajendra Gangani, Gidhaji, Kanuji, Bhanuji Maharaj (originator of Jaipur Gharana), Durgalal.